श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: दूसरे बैंकों के अंदर भी लाखों-करोड़ों रुपए का फ्रॉड हो रहा है।

شری محمد افضل عرف م - افضل : دوسرے بینکوں کے اندر بھی لاکھوں اور کروڑوں روپیہ کا فراڈ ہو رہا ہے -

उपसभापति: मंत्री जी बैठे हैं, वह ध्यान देंगे। मंत्रीजी ध्यान देंगे, आप बैठिए।

श्री सुरेश पचौरी: मैडम, मध्यप्रदेश की भा०ज०पा० सरकार ने प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं में

उपसभापति: बैठिए। **(व्यवधान)**

श्री सुरेश पचौरी: मैडम, मुझे इजाजत दीजिए।

उपसभापति: क्या मामला है?

श्री सुरेश पचौरी: उन्हें बिठाइए मैडम।

उपसभापति: मैं नहीं बिठा सकती।

श्री सुरेश पचौरी: मैडम, मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने, प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम से सारे बाचनों के अध्ययन-अध्यापन तुरंत प्रभाव से समाप्त करने के आदेश दिए हैं। मेरे पास उस आदेश की प्रति है। **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will not allow.

श्री सुरेश पचौरी: मैडम, 28 फरवरी, 1992 को शिक्षा विभाग [श्री सुरेश पचौरी]

ने एक आदेश जारी किया जिसके अनुसार जो माध्यमिक कक्षाएं हैं, तीसरी से आठवीं तक की, तत्काल प्रभाव से उनकी विषय सूची में से महात्मा गांधी, अब्राहम लिंकन, महावीर स्वामी, हज़रत मोहम्मद साहब, ईसा मसीह को अलग करने के आदेश दिए गए हैं। मैडम, यह एक बहुत गंभीर मामला है। महात्मा गांधी का आदर्श देश की नई पीढ़ी को देशभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्हें सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाता है। अगर हमारे इतिहास को इस तरीके से नष्ट करने का प्रयास किया जाएगा तो उसके लिए उस राज्य सरकार पर अंकुश लगाने के लिए केन्द्र सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। ये सहायक वाचक संबंधी जो आदेश जारी किए गए हैं और विषय सूची में आचार्य बिनोबा भावे, जवाहर लाल नेहरू, विश्व कवि रवीन्द्र नाथ ठाकुर, अब्राहम लिंकन, महावीर स्वामी को न पढ़ाने के आदेश जारी किए हैं, मेरे पास उस आदेश की कॉपी है, महोदया, 28 फरवरी, 1992 के जो आदेश हैं। उसमें इस बात का उल्लेख है कि राज्य शासन के निर्णयानुसार कक्षा तीन से आठ तक चल रही सहायक वाचनों की पुस्तकों का अध्ययन-अध्यापन तुरन्त प्रभाव से समाप्त किया जाता है।

मैडम, यह बहुत गम्भीर मामला है। इस हिटलरशाही आदेश को, भारतीय जनता पार्टी के हिटलरशाही आदेश को तुरन्त जो है, रद्द करना चाहिए। केन्द्रीय सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। केन्द्र सरकार भारतीय जनता पार्टी को निर्देशित करके इस आदेश को रद्द कराए। यह अमानवीय है। भारतीय जनता पार्टी, जिस पर यह इल्जाम है कि महात्मा गांधी की हत्या करवाई थी, यह महात्मा गांधी की जीवनी को पाठ्यक्रम से हटाना चाहती है। इसके साथ-साथ महापुरुषों की जीवन गाथाएं, यह नहीं चाहती कि कोई पढ़े।.....**(व्यवधान)**.....

उपसभापति: प्लीज। होम मिनिस्टर साहब जरा कुछ बोल रहे हैं।...**(व्यवधान)**...बैठिए। होम मिनिस्टर साहब, कुछ बोले। **(व्यवधान)** प्लीज। प्लीज आप बैठिए। लीडर आफ द हाऊस बोल रहे हैं। आप बैठिए। बैठ जाइए। बैठिए। आप बैठिए। बैठ जाइए। बैठ जाइए। बैठिए। मैं आपसे...**(व्यवधान)**...

श्री कैलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश): मैडम **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not permitting. यह बोल रहे हैं, मेरी अनुमति के बगैर। बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... जब भी लीडर आफ द हाऊस खड़े हों तो सुन लेना चाहिए।

श्री कैलाश नारायण सारंग: मैडम, कभी-कभी हम करते है।

उपसभापति: कभी भी मत किया करिए तो अच्छा लगेगा।

SHRI S.B. CHAVAN: Madam, in regard to this charge against the Madhya Pradesh Government, if that is true, it is a very serious matter. That is why I will pass on this information to my colleague, the Minister of Human Resource Development and request him to find out what the facts are and then come before the House.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: The Home Minister is only efficient where BJP Governments are involved. *(Interruptions)*

SHRI ASHWANI KUMAR: What about the Bihar Government? Why are you silent about it? *(Interruptions)* Politically-motivated Home Minister. *(Interruptions)*

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश): इसकी जल्दी जांच होनी चाहिए।

उपसभापति: आप बैठिए, सत्या बहिन। इतना काफी है।

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, the Home Minister said that he would come forward with a statement before the House on the Nagaland issue. It is a burning problem. The Congress Party has got the majority *(Interruptions)*. Let Mr. Khyomo Lotha raise the issue. The Home Minister should also come forward with a statement before the Hosue. *(Interruptions)*

श्री मौलाना ओवैदुल्ला खान आज़मी (उत्तर प्रदेश): मैडम, यहां नाथू राम गोडसे को पढ़ाया गया, कातिलों को पढ़ाया गया। ...**(व्यवधान)**... पहले कातिलों को पढ़ाया, अब हिंदुस्तान की आवाम को ...**(व्यवधान)**...

उपसभापति: अच्छा, बैठिए। आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... आडवाणी जी उस हाऊस के गणमान्य सदस्य हैं, लीडर हैं आपोजीशन के, उनका नाम इस हाऊस में नहीं लिया जाए। ....**(व्यवधान)**.... हमारे कोई तरीके हैं, उन सभ्यताओं को हम कभी नहीं छोड़ेंगे।

RE:DISSOLUTION OF NAGALAND ASSEMBLY

SHRI KHYOMO LOTHA (Nagaland): Madam Deputy Chairman, I cannot shout.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is why I am permitting you.

SHRI KHYOMO LOTHA: I am retiring. Therefore, this may be my last speech. Kindly give me the privilege to stand in the front line and speak.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I can permit you to stand on the bench also, if you like.

SHRI KHYOMO LOTHA: If you say so, I can stand.

Madam, unfortunately, on the 27th March, the Nagaland Assembly was dissolved by the Governor. It is said that he dissolved the Assembly on the request of the Chief Minister. But there was no Constitutional crisis or anything at that time. Mr. Vamuzo's Government was reduced to a minority and, therefore, the dissolution had taken place. Now, there are two things, Madam. The Governor has not invoked article 356, under which the Governor is supposed to consult the Central Government.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: (Uttar Pradesh): Under article 174(2), he has taken action.

SHRI KHYOMO LOTHA: He says that by dissolving the Assembly, he has not violated the Constitution of India. I say, he has violated. Under what provision has he the right to dissolve the State Assembly, without informing the Central Government?

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI S. JAIPAL REDDY): Article 174(2).

SHRI KHYOMO LOTHA: Let me have my say.

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Let him speak.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): How could the Governor take the decision on his own?

SHRI KHYOMO LOTHA: When the Government was reduced to a minority, he recommended dissolution. The Governor should have recommended President's rule. He can dissolve the Assembly only in consultation with the Centre. He can dismiss the Ministry, but he cannot dissolve the House...without consulting the Central Government, under article 356. Under what provision has he the right to dissolve the Assembly and give caretaker Government to Mr. Vamuzo? My submission is that either his order should be revoked or the caretaker Government should be dismissed forthwith. The President's rule should be invoked. That is my demand and I want a clarification from the Home Minister.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B. CHAVAN): The matter raised by the hon. Member...*(Interruptions)*. If you permit me...

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: माननीया उपसभापतिजी,...**(व्यवधान)** क्योंकि जो चीफ मिनिस्टर थे 45 की फैक्टिव स्ट्रेंथ थी उसकी और उनकी 24 की मैजोरिटी थी और गवर्नर ने आर्टिकल 174 सब क्लाज़ 2 जो संविधान का है उसके तहत उन्होंने फैसला दिया है। लेकिन फिर भी इसके बारे में सरकार का वक्तव्य आना चाहिए और गवर्नर ने जो वहां फैसला दिया वह बिल्कुल उचित था और उसका उनको अधिकार था और केन्द्र सरकार को पूछने की कोई जरूरत नहीं थी। गवर्नर...**(व्यवधान)** केन्द्र सरकार का कोई वहां पर प्रतिनिधि...**(व्यवधान)**...

श्री कैलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश): मैडम, मध्य प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी से बात हुई है...**(व्यवधान)**...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will not permit you like this.

श्री कैलाश नारायण सारंग : इस प्रकार का कोई सर्कुलर नहीं निकला।...**(व्यवधान)**...

उपसभापति: अभी आप बैठिए।

श्री कैलाश नारायण सारंग: मैं यह बताना चाहता हूं, मैडम, यह बहुत बड़ा ...**(व्यवधान)**...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not permitting you. अभी आप बैठिए ...**(व्यवधान)**

The Leader of the House...*(Interruptions)* आप बैठिए।

It is a different matter. I will not permit you like this. *(Interruptions)*. I am not permitting you. Please sit down. This is a different matter.

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदया,....**(व्यवधान)**

उपसभापति: पाण्डेय जी, अभी आप बैठिए...**(व्यवधान)**

SHRI S.B. CHAVAN: This is a very peculiar position that the hon. Members, sitting opposite, are trying to justify the action taken by the Governor which, in fact, creates some kind of an impression in my mind ...

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh): We are not justifying the action taken by the Governor, nor are we justifying the Union Minister's going over there and involving himself in the defection game. *(Interruptions)*

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): Let the Home Minister speak. We will hear only the Home Minister.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him speak. *(Interruptions)*. I am not permitting. Let the Home Minister speak. *(Interruptions)*. Not even one sentence. Afterwards, after he finishes. *(Interruptions)*. No.

SHRI S.B. CHAVAN: I do not think that the hon. Members sitting opposite are claiming any affinity with some Governors and not others. I do not think that this is very fair.

SHRI SIKANDER BAKHT (Madhya Pradesh): The Home Minister cannot go on making this sort of attack. What is this? This is absolutely unfair. You cannot do it. *(Interruptions)*

SHRI S. JAIPAL REDDY: I have a submission to make. If the Home Minister, the Leader of the House, yields...

SHRI S.B. CHAVAN: I want to clarify the position.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Just one minute. Kindly yield. It is not correct in terms of procedure for the Home Minister to cast reflection or aspersions on Governor in the House. If he has some comments to make, he should come forward with the statement. Even if in the course of a response he has to make such comments, it is very unfair, very unfortunate.

SHRI SIKANDER BAKHT: Absolutely uncalled for.

SHRI S.B. CHAVAN: I have merely stated that some Governors seem to have some kind of a sympathy. There is nothing wrong about it, but so far as the point raised by my hon. friend is concerned...

SHRI S. JAIPAL REDDY: You are the Home Minister of India today.

SHRI S.B. CHAVAN:...this evening most probably the meeting of the Cabinet Committee on Political Affairs is going to be held. Thereafter, I will be able to come before this House, as I promised, with a statement for the information of this House.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will it be today or tomorrow? Kindly give us some time-frame.

SHRI S.B. CHAVAN: This evening the CCPA will meet and either tomorrow or day after I will be able to give the statement.

SHRI M.S. GURUPADASWAMY (Uttar Pradesh): I normally do not interfere. *(Interruptions)*.

SHRI S.B. CHAVAN: No report has been received by Government from the Governor.

SHRI M.S. GURUPADASWAMY: Madam, I was really shocked to hear the statement of the Home Minister. It is very astonishing that he made the statement about affinity of some Members of the Opposition towards the Governor.

SHRI SIKANDER BAKHT: it is surprising.

SHRI M.S. GURUPADASWAMY: I want to know, Madam, through you, whether he is speaking as Mr. Chavan or as the Home Minister.

SHRI KAMAL MORARKA: I want to ask a small matter of the Home Minister, whether the Chief Minister of Nagaland enjoyed the confidence of the Assembly when he made his recommendation. That is the only point germane to the whole question. If he enjoyed the confidence, then the recommendation is binding on the Government, whether the Governor talks to the Centre or does not talk to the Centre.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): He has become a minority Chief Minister. *(Interruptions)*

SHRI S.B. CHAVAN: Madam, these are the very issues which are going to be discussed in the CCPA, and thereafter I will be in a position to make a statement. *(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, I have drawn your attention.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think I should identify Mrs. Natarajan. She has been asking for a long time.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Before the matter was considered by the CCPA, many adverse comments on the Governor have been made by you.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, only two minutes. I shall take only two minutes.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. She might take only one minute. She will take only one minute. *(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam, I have been actually wanting to raise about this. I have given a special mention about four days ago. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no.

Not now. Let her finish.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : Fishermen off the coast of Tamil Nadu are all missing. Some of them have been kidnapped by the Government of Sri Lanka.

SHRI V. NARAYANASAMY : They have been kidnapped, and they are in the custody of the Government of Sri Lanka. *(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : That is what I am saying.

Madam, I have given a special mention four days ago, and till now the House has not been able to take it up. We are deeply concerned about the issue, Madam. The issue is a very important one.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): Madam, four dead bodies were found full of injuries.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute, please. Please let me speak to her. *(Interruptions)*

Let me solve her problem first. Then I will take up yours. *(Interruptions)*. Just a minute, please. Just a minute, please.

Mrs. Natarajan, the thing is that the special mention could not be taken up because there were finance and other businesses. Today when the finance business is over, special mentions will be taken up. This is in your name.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : All right.

THE DEPUTY CHAIRMAN: So, we will take up the issue later.

RE INCREASE IN THE CALCUTTA METRO PASSENGER FARES

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam,

THE DEPUTY CHAIRMAN: Half a minute. First half a minute.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: As you know, this House has passed the Railway Budget, and Parliament is in session. In a situation like this, the Calcutta Metro which is a part of the Indian Railways, after the Budget has been passed .....*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no, this is not the way. We are not discussing it. No, I will not. Let him finish first. Let him finish, please, please.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, my point is that the Railway Budget has been passed. Parliament is in session. The Calcutta metro is a part of the Indian Railways. Therefore, it is under the Ministry of Railways. In such a situation, Madam, suddenly after the passing of the Budget, without informing Parliament, there has been a sudden increase in the fares for the passengers who travel by the Metro. In some cases the increase in the fares has been three times. My objection is on the procedure and on substance. Can any Department of the Government take such a decision just after the passing of the Budget and that too behind the back of Parliament? Madam, whether the procedure is correct or not, I want to know.

Secondly, Madam, there might have been an increase in the price. But, does it warrant such a terrible increase in the fare?

Therefore, in all fairness I protest against this unparliamentary, unethical and unprocedural behaviour of the Ministry of Railways, and I demand that this price hike that has been done in the fares of the Calcutta Metro, be immediately rescinded.

Thirdly, Madam, I would say...

THE DEPUTY CHAIRMAN: बस, One minute is over now.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: No. The last point.

THE DEPUTY CHAIRMAN: One minute is over.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Even the West Bengal Government has not been consulted.

THE DEPUTY CHAIRMAN: One minute was over long time ago.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Even the West Bengal Government has not been consulted. This is a serious matter. I wish other Members join me in putting protest against this.

SOME HON. MEMBERS: The whole House supports him.